PD-206

M.A. HINDI (SECOND SEMESTER)

Examination JUNE 2021

Compulsory/Optional

Group-

Paper-II

MADHYAKALIN KAVYA

Time:- Three Hours

Maximum Marks:080

Minimum Passing Mark-29

नोट : दोनों खण्डोंसे निर्देशानुसारउत्तरदीजिए।प्रश्नों के अंक उनके दाहिनीओरअंकितहैं।

Note: Answer from Both the Section as Directed. The Figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड– अ

1. किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1x10

(1) रामचरित मानस की भाषा क्या है?

(2) घनानंद किस काल के कवि है?

(3) रसखान के आराध्य का नाम लिखिए।

(4) पुष्टि मार्ग का जहाज किसे कहा गया है?

(5) विनय भावना निवेदन पर आधारित तुलसी की रचना का नाम लिखिए।

(6) भूषण किस रस के कवि है।

(7) आधुनिक मीरा की संज्ञा किसे प्रदान की गई है।

(8) रामचन्द्रिका के रचनाकार का नाम क्या है।

(9) भ्रमरगीत सार पाठ के संदेशवाहक कौन है?

(10) किस कवि ने आपने काव्य में गागर में सागर भरा है?

(11) राजा रत्नसेन का किस काव्य में उल्लेख मिलता है?

(12) मुक्त छंद के प्रणेता का नाम लिखिए।

(13) वाणी का डिक्टेटर किसके लिए प्रयोग होता है।

खण्ड– ब

2. लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2x5=10

(क) घनानंद के काव्य में प्रेमाभिव्यक्ति।

(ख) केशवदास का आचार्यत्व।

(ग) कवि देव की काव्यकग विशेषताएँ।

(घ) भूषण के काव्य की प्रधानता।

(ड.) पद्माकर के काव्य में प्रकृति चित्रण।

(च) तुलसी की भक्ति।

(छ) बिहारी का मुक्तक।

खण्ड– स

3. क. अधोलिखित पदों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।:– 07

जेग ठगौरी व्रज न बिकैहैं,
यह व्यौपार तिहारो, ऊधौ! ऐसाई फिरि जैहैं।
जापे ले आए हो मधुकर, ताके उर न समैहैं।
दाख छाँड़ि के कटुक निबौरी, को अपने मुख खैहैं।
मूरी के पातन के कैना, को मुक्ताहल दैहै।
सूरदास प्रभु गुनहिं छांड़ि कै, कौ निरगुन निरबैहै।

अथवा

आए जोग सिखवन पॉडे।
परमारथी पुराननि लोद, ज्यों बनजोर टॉड़े।
हमारी गति पति कमल नयन की, जोग सिखैं ते रॉड़े।
कहौ मधुप, कैसे समाऐसे, एक म्यान दो खांड़े।
कहु पटपद, कैसे खैयतु है, हाथिन के संग गाँड़े।
काहै को झाला लै मिलवत, कोन चोर तुम डॉडे।
सूरदास तीनों नहिं उपजत धनिया, धान, कुम्हाड़ें।।

प्रश्न भ्रमरगीत सार के विषय योजना पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

सूर के भ्रमरगीत सार में निहित विरह की अमिव्यंजना का वर्णन कीजिए।

ख. तब हनुमंत कही सब, रामकथा निज नाम। 7
सुनत जुगल तन पुलक मन, मगन सुमिरि गुन ग्राम।।

अथवा

आपुहि सुवि खद्योत सम, रामहि भानु समान।
परूब वचन सुनि काढ़ि असि बोला अति खिसिआन।।

प्रश्न राम काव्य परम्परा में प्रतिनिधि कवि के रूप में तुलसी दास के काव्य की विशेषताएँ बताइए। 8

अथवा

तुलसी दास की भक्ति पर नातिदीर्घ निबंध लिखिए।

अथवा

सुन्दरकाण्ड की सुन्दरता पर प्रकाश डालिए। 7

ग. व्याख्या कीजिए–
मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ,
जा तन की झाई परै, स्याम हरित दुति होई।।

अथवा

बतरस लालच लाल की, मुरली धरि लुकाई,
सौंह करै भौहनु हंसे, दैन कहै नटि जाई।।

प्रश्न बिहारी के काव्य सौन्दर्य (काव्यकला) पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

हिन्दी साहित्य जगत के श्रेष्ठ मुक्तकधार के रूप में बिहारी का स्थान निर्धारण कीजिए।

प्रश्न 4. प्रेम की पीर के रूप में घनानंद कौ काव्यगत विशेषताएँ क्या है। 7

अथवा

केशवदास के आचार्यत्व पर प्रकाश डालिए।

ख. भक्ति कालीन काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 8

अथवा

रीतिकालीन काव्य परम्परा का वर्णन कीजिए।